दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। (चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

1
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 19 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

Taliban के कब्जे से पहले Russian Aircraft से भागे थे UAE

51 करीबी लोगों को भी साथ ले गए Ashraf Ghani

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी गए हैं साथ

काबुल– अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी अपने 51 करीबी लोगों के साथ मुल्क छोड़कर भागे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, काबुल पर तालिबानी कब्जे से पहले भागे गनी के साथ उनके करीबी लोग भी थे। सभी रूसी विमान से संयुक्त अरब अमीरात (UAE) भाग गए हैं। बता दें कि राष्ट्रपति गनी सबसे पहले देश छोड़कर जाने वालों में शामिल हैं. आरोप लग रहे हैं कि वह अपने साथ नोटों से भरे बैग ले गए हैं. हालांकि, उन्होंने इससे इनकार किया है।

Wife और Cricketer Nabi भी शामिल–'अफगान इंटरनेशनल' ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि राष्ट्रपति अशरफ गनी तालिबान के कब्जे से ठीक पहले मुल्क छोड़कर UAE चले गए. उनके साथ उनके 51 करीबी भी भाग निकले हैं, जिसमें राष्ट्रपति की पत्नी रूला गनी, पूर्व अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हमदुल्ला मोहिब और क्रिकेटर मोहम्मद नबी शामिल हैं। ये सभी रूसी विमान से अफगानिस्तान छोड़कर चले गए थे।

Gani पर शिकंजा कसने की तैयारी–काबुल में रूसी दूतावास ने हाल ही में खबर दी थी कि अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी चार कारों और नकदी से लदे एक हैलीकॉप्टर के साथ भाग गए है। पहले उनके ओमान और ताजिकिस्तान में रुकने की बात कही गई थी, लेकिन अब कहा जा रहा है कि वह इस वक्त UAE में हैं> इस बीच, गनी पर शिकंजा कसने की तैयारी भी शुरू हो गई है. ताजिकिस्तान स्थित अफगानिस्तान दूतावास ने इंटरपोल से अशरफ गनी को हिरासत में लेने को कहा है.

मुल्क छोड़ने पर President ने फिर दी सफाई–'टोलो न्यूज' ने सूत्रों के हवाले से बताया कि एंबेसी ने इंटरपोल से अशरफ गनी, हमदल्लाह मोहिब और फजल महमूद फाजली को सार्वजनिक संपत्ति चुराने के आरोप में हिरासत में लेने को कहा है, ताकि पैसे को अफगानिस्तान को वापस किया जा सके. उधर, अशरफ गनी ने एक बार फिर से देश छोड़ने पर सफाई दी है. उन्होंने पैसा लेकर भागने के आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि यदि को नहीं भागते तो मुल्क में ज्यादा खून-खराबा हो सकता था।

AIMPLB प्रवक्ता ने कहा- निहत्थी कौम ने सबसे मजबूत सेना को दी शिकस्त

'मुबारक हो! तालिबान को हिंदी मुसलमान का सलाम'

समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान के बाद अब 'ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB)' के प्रवक्ता मौलाना सज्जाद नोमानी ने तालिबान का समर्थन किया है। जहाँ एक तरफ तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्ज़ा कर के वहाँ महिलाओं का शोषण शुरू कर दिया है और शरिया कानून के तहत तमाम रूढ़िवादी पाबंदियाँ लगाई हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत के इस्लामी कट्टरपंथी उसका गुणगान कर रहे। अब मौलाना सज्जाद नोमानी ने 'तालिबान के हौसले' को सलाम किया है। उन्होंने कहा कि तालिबान ने दुनिया की सबसे मजबूत फौज को शिकस्त दे दी है। AIMPLB प्रवक्ता ने कहा, एक बार फिर यह तारीख रकम हुई है। एक निहत्थी कौम ने सबसे मजबूत फौजों को शिकस्त दी है। काबुल के महल में वे दाखिल होने में कामयाब रहे। उनके दाखिले का अंदाज पूरी दुनिया ने देखा। उनमें कोई गुरूर और घमंड नहीं था। मौलाना सज्जाद नोमानी ने तालिबान की तारीफों के पुल बाँधते हुए आगे कहा, उनके कोई बड़े बोल नहीं थे। ये नौजवान काबुल की सरजमीं को चूम रहे हैं। मुबारक हो। आपको दूर बैठा हुआ यह हिंदी मुसलमान सलाम करता है। आपके हौसले को सलाम करता है। आपके जज्बे को सलाम करता है। तालिबान के कब्जे के बाद हुई हिंसा व वहाँ से भागने के दौरान मची भगदड़ में कई लोग मारे भी गए हैं। 66 वर्षीय सज्जाद नोमानी के बारे में बता दें कि उनके पिता भी 'इस्लामी स्कॉलर' रहे हैं। सज्जाद नोमानी का जन्म उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुआ था। उनकी शिक्षा-दीक्षा लखनऊ के 'दारुल उलूम नदवातुल उलामा' और देवबंद के 'दारुल उलूम' से हुई है। उनके अब्बा एक बड़े जमींदार और कारोबारी थे। सज्जाद नोमानी ने सऊदी अरब द्वारा स्थापित 'इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ मदीना' से कुरान के अध्ययन में Ph.D की है। इससे पहले समाजवादी पार्टी के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क ने तालिबान की तुलना भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों से की थी। अब उनके खिलाफ इस बयान के लिए यूपी पुलिस ने राजद्रोह के मामले में स्नद्धक्रदर्ज की है। शफीकुर्रहमान बर्क ने कहा था, तालिबान एक ऐसी ताकत है, जिसने रूस और अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों को भी अपने देश पर कब्जा नहीं करने दिया। अब तालिबान अपने देश को आजाद कर उसे चलाना चाहता है, यह उसका आंतरिक मामला है। भारत में भी अंग्रेजों से पूरे देश ने लड़ाई लड़ी थी।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेब टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 19 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

शहीद ऊधम सिंह- ब्रिटेन की अदालत में फाड़कर फैंके दस्तावेज को नहीं पढ़ पाए थे अंग्रेज

80 साल बाद मिली पढ़ने में सफलता

आठ दस्तावेजों को फाड़कर शहीद ने फैंका था, उन्हें ब्रिटिश सरकार ने जोड़कर रखा था

फिरोजपुर– लंदन की ओल्ड बैले की केंद्रीय अपराध अदालत से जब शहीद ऊधम सिंह को ब्रिटिश पुलिस ले जा रही थी तो उन्होंने अपने हाथों में पकड़े दस्तावेज फाड़कर वहीं फैंक दिए थे। अंग्रेजी अधिकारियों ने जोड़कर पढ़ने का प्रयास किया, लेकिन पढ़ नहीं सके, क्योंकि ये गुरमुखी में लिखे गए थे। लंदन से मंगवाए उक्त दस्तावेजों को 80 साल बाद ऊधम सिंह की जीवनी पर खोज कर रहे लेखक राकेश कुमार ने पढ़ लिया है। लेखक की शहीद पर की गई यह एक नई खोज है। लेखक राकेश कुमार ने बताया कि उन्होंने लंदन की नैशनल आर्काइव (फाइल नंबर–पीसीओएम 9/872) से शहीद ऊधम सिंह से जुड़ी कुछ फाइलें मंगवाई थीं। अदालत में जिन आठ दस्तावेजों को फाड़कर शहीद ने फैंका था, उन्हें ब्रिटिश सरकार ने जोड़कर रखा था। ये गुरमुखी में लिखे हुए थे, जिन्हें आज तक किसी ने नहीं पढ़ा था। राकेश कुमार ने बताया कि जब उक्त दस्तावेज पढ़ रहे थे तो उन्हें अंग्रेजी का एक शब्द नजर आया, लेकिन वो शब्द पूरा नहीं था। उक्त शब्द को पूरा करने के प्रयास में उन्होंने सभी दस्तावेजों को ध्यान से देखा क्योंकि उक्त शब्द के कारण अंग्रेजों द्वारा जोड़े दस्तावेज सही से पढ़े नहीं जा रहे थे। अंग्रेजी के शब्द को तलाशते समय उनकी नजर ऐसे पेज पर पड़ी जिससे उन्हें समझ में आया कि अंग्रेजों ने फाड़े दस्तावेज को गलत जोड़ दिया था। उक्त दस्तावेजों को दोबारा जोड़ा गया तो गुरमुखी में लिखी प्रत्येक शब्द की लाइनें आपस में जुड़ गईं। शहीद क्या कहना चाहता था, इस बात का पता चल गया। लेखक का कहना है कि 80 साल तक उक्त दस्तावेजों को कोई नहीं पढ़ सका था, क्योंकि ये जुड़े ही गलत थे। अब ब्रिटिश सरकार को भी उक्त दस्तावेजों को ठीक से जोड़ना होगा।

परगट को प्रदेश महासचिव बना सिद्धू ने बदले दोआबा कांग्रेस के समीकरण

2002 में जहां कांग्रेस ने दोआबा में प्रचंड बहुमत हासिल किया तो कैप्टन की सत्ता आई

पूर्व हॉकी खिलाड़ी और विधायक पद्मश्री परगट सिंह के पंजाब प्रदेश कांग्रेस के महासचिव बनने से दोआबा कांग्रेस के समीकरण बदलने लगे हैं। परगट सिंह दोआबा के कद्दावर नेता बनकर सामने आए हैं और कई सीनियर नेता हाशिये पर चले गए हैं। कांग्रेस में दोआबा की कमान अभी तक किसी नेता के पास नहीं थी, लेकिन कैप्टन अमरिंदर सिंह व पीपीसीसी के पूर्व प्रधान सुनील जाखड़, सांसद चौधरी संतोख सिंह और राणा गुरजीत सिंह के अलावा विधायक सुशील रिंकू व राजकुमार चब्बेवाल को तरजीह देते आए थे। अब पीपीसीसी के सारथी परगट सिंह बन गए हैं और तमाम नेता हाशिये पर चले गए हैं।

पद्मश्री परगट सिंह का संगठन में तजुर्बा नहीं है, लेकिन सिद्धू ने उनका कद बढ़ाकर उनको अप्रत्यक्ष रूप से दोआबा का इंचार्ज बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। दोआबा ही ऐसा इलाका है, जिसके बलबूते पर पार्टी सरकार बनाती है। दोआबा में होशियारपुर, नवांशहर, कपूरथला और जालंधर का इलाका है। 2002 में जहां कांग्रेस ने दोआबा में प्रचंड

बहुमत हासिल किया तो कैप्टन की सत्ता आई, लेकिन 2007 व 2012 में शिअद भाजपा की लहर दोआबा में चली तो बादल सरकार सत्ता में आई। सिद्धू के लिए दोआबा सत्ता की कुंजी है और दोआबा में उनके पास विश्वासपात्र नेता परगट सिंह ही है, जो 2016 से उनके साथ हैं। कैप्टन सरकार के खिलाफ आवाज उठाने में सिद्धू के साथ परगट कंधे से कंधा मिलाकर चलते आए हैं। ऐसे में सिद्धू ने दोआबा में जहां अपना सारथी खोज लिया है, वहीं कांग्रेस में दूसरे नंबर के कतार के नेता को आगे कर दिया है। चर्चा है कि परगट सिंह का कद कांग्रेस में कैप्टन संदीप संधू के बराबर ही होगा। यह भी सार्वजनिक है कि परगट सिंह ने कैप्टन संदीप संधू पर गंभीर आरोप लगाया था और कहा था कि कैप्टन संदीप संधू ने फोन पर उनको धमकी दी है। संदीप संधू का किसी समय कांग्रेस भवन में सिक्का चलता था और कैप्टन के ओएसडी के साथ साथ वह संगठन में भी सक्रिय थे।

दोआबा TV रिपोर्टर
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है। (चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

3
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 19 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

तालिबानियों के हाथ नहीं लगा मुद्रा भंडार

अफगानिस्तान केंद्रीय बैंक की 9.5 अरब डॉलर की संपत्ति विदेशों में जमा

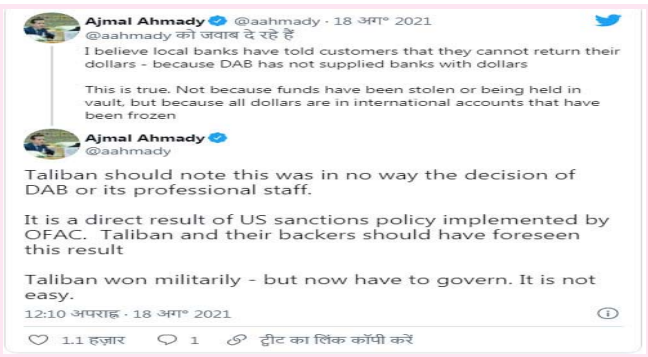

नई दिल्ली-अमेरिका ने अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक की लगभग 9.5 अरब डॉलर की संपत्ति को फ्रीज कर दिया है और अफगानिस्तान को नकदी भेजना बंद कर दिया है। अमेरिका तालिबानियों को इस पैसे से दूर रखने के लिए यह कदम उठा रहा है। अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने कहा है कि देश का करीब साढ़े नौ अरब डॉलर का आरक्षित मुद्रा भंडार विदेशों में है। उन्होंने कहा कि देश में नकदी के तौर पर कोई विदेशी मुद्रा उपलब्ध नहीं है।

अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के प्रमुख अजमल अहमदी ने बुधवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की करीब साढ़े नौ अरब डॉलर की राशि में से सात अरब डॉलर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बांड, संपत्तियों और सोने में जमा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान के पास अमेरिकी मुद्रा का भंडार 'शून्य' है।

उन्होंने कहा कि तालिबान द्वारा देश पर कब्जे के बीच देश को नकदी का भंडार नहीं मिल पाया है। उन्होंने लिखा है कि नकदी की अगली खेप नहीं आ पाई। गवर्नर ने कहा है कि अमेरिकी डॉलर की कमी से अफगानिस्तान की मुद्रा का मूल्य गिरेगा और महंगाई बढ़ेगी। इसका सीध असर गरीब जनता पर पड़ेगा।

सूत्रों ने बताया कि अमेरिका में रखी अफगान केंद्रीय बैंक की संपत्ति तालिबान को नहीं मिलेगी, क ?योंकि यह अभी भी अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट के प्रतिबंधित आतंकी लिस ?ट में शामिल है। अहमदी ने कहा कि तालिबान से सैन ?य जीत हासिल कर ली है और अब वह देश पर शासन करने वाले हैं लेकिन धन के अभाव में ऐसा कर पाना उनके लिए मुश्किल होगा।

कन्या राशि वालों को वाणी पर रखना होगा संयम

आज श्रावण शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि और गुरूवार का दिन है। द्वादशी तिथि आज रात 10 बजकर 54 मिनट तक रहेगी। आज दामोदर द्वादशी का व्रत किया जायेगा। आज शाम 6 बजकर 18 मिनट तक प्रीति योग रहेगा। इसके आलावा आज रात 10 बजकर 42 मिनट पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रहेगा।

मेष-आज का दिन व्यापार की गति बढ़ाने वाला साबित होगा। किसी पुराने निवेश से आज आपको फायदा होगा। आज योजना बनाने और फैसला लेने के लिए अच्छा दिन है। आज आप पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगायेंगे। मन लगाकर की गई कोशिशें जल्द ही रंग लाएंगी।

वृष-आज पारिवारिक जीवन में चल रहे कुछ महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे। अपना व्यवहार सकारात्मक बनाए रखें। भविष्य के लिये बनायी योजनाओं पर भी आज कुछ सोच-विचार करने की जरुरत हैं।

मिथुन-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें। ऑफिस के रुके हुए कार्य निपटाने की कोशिश करेंगे जिनमें आप सफल भी रहेंगे। आज रूठे हुए साथी को मनाने के लिए उनका मनपसंद व्यंजन बनाकर उन्हें खिला सकते हैं।

कर्क -आज आपका दिन खुशियों भरा रहेगा। आज आपका मन नये काम करने में लगेगा। आज आपके बिजनेस में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

सिंह-आज आपका ध्यान ऑफिस के कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपने अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपका आत्मविश्वास आपके लिये सफलता की कुंजी साबित होगा।

कन्या-आज का दिन अच्छा रहेगा। आज जिससे भी मिलेंगे वह व्यक्ति आपसे प्रभावित होगा। किसी से भी बात करते समय वाणी पर संयम बनाए रखें।

तुला-आज बड़े बुजुर्गों की सलाह आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगी। आज अचानक धन लाभ होने के योग बन रहे है। आज आप सामाजिक कार्यों में सहयोग देंगे। जिससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु पक्ष आप पर हावी होने की कोशिश करेगा, लेकिन आप अपनी सूझ-बूझ से उन्हें असफल कर देंगे।

वृश्चिक-आज आपके मन में नए-नए विचार आएंगे। आज आप कुछ ज्यादा ही जोश में रहेंगे। आज आप अपने बनाए प्लान में बदलाव करेंगे, जिससे आपको लाभ भी होगा।

धनु-आज वरिष्ठ अधिकारी आपके काम की तारीफ करेंगे। आपकी सैलरी में बढ़ोत्तरी भी होगी, जिससे आप आज पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे। आज आप अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाए रखें।

मकर-आज आपका रुझान अध्यात्म की तरफ ज्यादा रहेगा। आप घर वालो के साथ धार्मिक कार्यों में मन लगायेंगे। राजनीतिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज पड़ोसियों के बीच आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

कुम्भ-आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। संतान की करियर को बेहतर दिशा देने के लिए आज आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे।

मीन-आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे। कार्यक्षेत्र में उम्मीद के अनुसार कामयाबी हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में किसी बात को लेकर जीवनसाथी से बात होगी।

दोआबा रिपोर्टर TV
दोआबा रिपोर्टर समाचारपत्र तथा बेव टीवी के लिए पंजाब के सभी जिलों, कस्बों से पत्रकारों/फोटोग्राफरों/विशेष प्रतिनिधियों और ब्यूरो चीफ व मार्केटिंग के लिए लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है।
(चाहवान सम्पर्क करें)
(मो.) 7009010789

4
दोआबा रिपोर्टर
भारत सरकार द्वारा पंजीकृत | मुख्य सम्पादक : श्री संजीव शर्मा | RNI No. PUNHIN/2004/13985
News Portal.www.doabareporter.com | doabareporter.com | वीरवार, 19 अगस्त 2021 | 7009010789 - 94175-85949

देशद्रोहियों के लिए टूर पैकेज

काबुल में छुट्टियां बिताने का मौका

तालिबानियों संग पार्क की सैर

दोगली सोच वालों कुछ दिन तो गुजारों काबुल में ...

टुकड़े-टुकड़े गैंग के लिए तालिबान का टूर पैकेज!

हमारे देश का टुकड़े-टुकड़े गैंग अगर छुट्टियां मनाने काबुल जाएगा तो उन्हें वहां बहुत अच्छा लगेगा. योंकि हो सकता है तालिबानी उन्हें एयरपोर्ट से सीधे काबुल के एम्यूजमेंट पार्क ले जाएं, जहां तालिबान के लड़ाके उन्हें खुद घोड़ा गाड़ी पर झूलकर और बंपिंग कार चलाकर उनकी मेहमान नवाजी करेंगे

भारत में मुसलमानों की स्थिति पर आंसू बहाने वाले कुछ लोग भी अब अफगानिस्तान में तालिबान के शासन का समर्थन कर रहे हैं और उसकी जीत पर तालियां बजा रहे हैं। ये लोग तालिबानियों की तुलना भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले क्रांतिकारियों से कर रहे हैं. इनमें से कई लोगों का कहना है कि तालिबानियों ने बिना खून बहाए, बहुत अहिंसक तरीके से ये सफलता हासिल की है। रूस ने तो यहां तक कहा है कि तालिबान के आने के बाद से काबुल पहले से ज्यादा सुरक्षित हो गया है. हमारे देश के टुकड़े-टुकड़े गैंग, कई सारे लिबरल्स और बुद्धिजीवियों को भी ऐसा ही लगता है। ये लोग पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की तर्ज पर कह रहे हैं कि तालिबान ने गुलामी की बेड़ियां तोड़ने का काम किया है. ऐसे लोगों के लिए हम एक ऑफर लेकर आए हैं। ये लोग अगर चाहें तो कुछ दिन छुट्टियां मनाने के लिए अफगानिस्तान जा सकते हैं और काबुल में 5 रातों और 6 दिन का एक पैकेज ले सकते हैं। इसमें Visa On Arival मिले ना मिले Bullet On Arival जरूर मिलेगी।

हिंदुकुश पहाड़ों पर ट्रैकिंग का मौका

साथ ही ये लोग हिंदुकुश के उन पहाड़ों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं जहां तालिबान अल्पसंख्यकों का खून बहाता आया है और जहां आज भी तालिबानियों का कब्जा है. काबुल में इन दिनों बुर्के और हिजाब की दुकानों पर बहुत भीड़ है क्योंकि तालिबान के आते ही वहां की महिलाओं के लिए बुर्का अनिवार्य हो गया है. ये लोग चाहें तो काबुल जाकर इन दुकानों से शॉपिंग भी कर सकते हैं। हम इन लोगों को सिर्फ 50 हजार रुपये में एक शानदार बंगला खरीदने का भी एक ऑफर देना चाहते हैं. इस बंगले में 6 बेडरूम हैं, एक स्विमिंग पूल और एक गार्डन भी है. अब लोकेशन नोट कर लीजिए, लोकेशन है उत्तरी काबुल. ये उन लोगों के लिए बहुत अच्छा समय है जो खुद को भारत में असुरक्षित महसूस करते हैं। हमारे देश का टुकड़े-टुकड़े गैंग अगर छुट्टियां मनाने काबुल जाएगा तो उन्हें वहां बहुत अच्छा लगेगा. क्योंकि हो सकता है तालिबानी उन्हें एयरपोर्ट से सीधे काबुल के एम्यूजमेंट पार्क ले जाएं, जहां तालिबान के लड़ाके उन्हें खुद घोड़ा गाड़ी पर झूलकर और बंपिंग कार चलाकर कहेंगे कि आप हमें हमारी मेहमान नवाजी के लिए फाइव स्टार रेटिंग जरूर दीजिएगा।

क्रांतिकारियों से तालिबानियों की तुलना

इस ऑफर की डिटेल्स जानने से पहले आप जान लीजिए कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने तालिबानियों को गुलामी की बेड़ियां तोड़ने वाला बताया था। इसी तरह का बयान भारत में बैठे कुछ लोग भी दे रहे हैं और तालिबानियों की तुलना क्रांतिकारियों से कर रहे हैं. समाजवादी पार्टी के एक सांसद शफीकुर रहमान बर्क ने कहा है कि तालिबान वैसे ही लड़ा है जैसे हमारे देश के क्रांतिकारी आजादी के लिए अंग्रेज़ों से लड़े थे। इसलिए हम कह रहे हैं कि ये सारे लोग चाहें तो काबुल में कुछ दिन गुजार सकते हैं. इन लोगों को इस दौरान काबुल में बहुत सारी एडवेंचर एक्टिविटीज करने का मौका भी मिलेगा. ये लोग चाहें तो इस दौरान उड़ान भरते विमानों से लटक सकते हैं, एयरपोर्ट में अंदर घुसने के लिए रोप क्लाईंबिंग कर सकते हैं. तालिबानी लड़ाकों के साथ बच्चों के थीम पार्क में झूले झूल सकते हैं। बंपिंग कार चला सकते हैं।

नफरत फैलाने का प्लान बनाते हुए डम्बल भी उठाएं

ये लोग चाहें तो तालिबान के नियंत्रण में आ चुके जिम में जाकर नफरत कैसे फैलाई जाए ये सोचते हुए व्यायाम भी कर सकते हैं। इसके बाद ये अफगानिस्तान के राष्ट्रपति भवन में तालिबानियों के साथ बैठकर डिनर कर सकते हैं और उनसे उनकी खूनी क्रांति की कहानियां सुन सकते हैं. टुकड़े-टुकड़े गैंग का वैसे भी लोकतंत्र और संसद पर विश्वास नहीं है, इसलिए ये लोग अफगानिस्तान की संसद भी जा सकते हैं, जिस पर अब तालिबान का कब्जा है। ये लोग तालिबानियों द्वारा कब्जे में लिए गए हेलीकॉप्टर्स में बैठकर काबुल की सैर भी कर सकते हैं. हालांकि इस बात की गारंटी नहीं है कि तालिबानियों को ये हेलीकॉप्टर उड़ाने आते भी हैं या नहीं। लेकिन हमें यकीन है कि एक ना एक दिन इन लोगों का तालिबानियों के बीच दम घुंटने लगेगा. इन्हें हिंसा का डर सताने लगेगा, परिवार की याद सताने लगेगी और जब इन लोगों को ऐसा लगेगा तो भारत सरकार और भारत की सेना बड़ा दिल दिखाते हुए इन्हें वहां से रेस्क्यू कर लेगी।